पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर (राज0)

"सत्र 2019–20"

हिन्दी साहित्य

(कला संकाय)

बी.ए. वर्ष द्वितीय – हिन्दी साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र – (रीतिकाल)

पूर्णांक : 100 **न्यूनतम उत्तीर्णांक : 36**

1. केशवदास रामचन्द्रिका – राम वंदना – पूरण पुराण अरू.................. देती मुक्ति को..............

सूर्योदय वर्णन 1. अरूण गात अति प्रातः............ दिन भामिनी की भाल को।

2. व्योम में मुनि देखिए .... तिक्षिता तिनकी हुई।

पंचवटी वर्णन 1. फल फूलन पूरे.......................रति मधु जाने।

2. सब जात फटी .... धूर जटि पंचवटी।

3. सोभित दंडक की रूचि .... जनु मूरति लसै।

हनुमान लंका गमन 1. हरि केसो वाहन .... हनुमान चल्यौ लंक को।

2. बिहारी (20 दोहे)

– मेरी भव बाधा हरौ ....
– तजि तीरथ हरि राधिका ....
– नाच अचानक ही उठै बिन पावक ....
– कहत नटत रीझत खिझत ....
– नेहन नैनन को कछु उपजी बड़ी बलाय ....
– पाय महावर दैन को नाइन बैठी आय ....
– मंगल बिन्दु सुरंग मुख शशि केसर ....
– अंग–अंग नग जगमगत दीपशिखा सी देह ....
– भूसन भारू सम्भारि है ....
– कीनै हू कोटिक जतन अब कहि ....
– या अनुरागी, चित्त की ....
– जद्यपि सुंदर सर पुनि सगुना दीपक देह ....
– कहा कहौं वाकीदसा हरि प्राणन के इस ....
– पत्रा ही तिथि पाइए वा घर के चहूं पास ....
– निस अंधियारी नी पटु, पहरे चलि पियगेह ....
– औंधाई सीसी सुमुखि विरह अगन बिललात ....
– इति जावत उत जात सखि ....
– लाल तुम्हारे बिरह की अगन अनूप अपार ....
– कहलानै एकत बसत अहि मयूर मृग बाघ ....
– कनक कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय ....
– कौ कहि सकै बड़ेन सौ लखै बड़ी हूं भूल ....
– नहि पराग नहि मधुर मधु ....
– मरत प्यास पिंजरा परयौ सुआ समय के फेर ....
– जगत जनायौ जेहि सकल सोहरि ....
– तो लगि या मन सदन में ....

Incharge
Academic
PDUSU, SIKAR

3. देव

– जाकै न काम न क्रोध विरोध ....
– कोऊ कहौ कुलटा कुलीन अकुलीन कहौ ....
– रावरौ रूप रहयौ भरि नैनन ....
– गंग तरंगिन बीच वरंगिनि ....
– ऐसे जु हौ जानत कि जैहे तु विषय के संग ....
– डार द्रुम पालना बिछौना नव पल्लव के ....
– जब तै कुंवर कान्ह रावरी कला–निधान ....
– राधिका कान्ह को ध्यान करै तब कान्ह ....
– माखन सो मन दूध सौ जोबन ....
– को बचिहै यह बैरी बसन्त पै आवत...................

4. भूषण

– साजि चतुरंग–सैन अंग मैं उमंग धारि सरजा सिवाजी जंग जीतन चलत है।
– बाने फहराने घहराने घंटा गजन के नाहीं ठहराने रावराने देसदेस के।
– बेद राखे बिदित पुरान परसिद्ध राखे राम–नाम राख्यो अति रसना सुघर में।
– उतरि पलंग ते न दियो है धरा पै पग तेऊ सगबग निसिदिन चली जाती है।
– ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहनवारी ऊँचे घोर मंदर के अंदर रहाती है।
– अतर गुलाब चोवा चंदन सुगंध सब सहज सरीर की सुबास बिकसाती है।
– सोंधे को अधार किसमिस जिनको अहार चार अंक–लंक मुख चंदके समानी है।
– आपस की फूट ही तें सारे हिंदुवान टुटे टूट्यो कुल रावन अनीति अति करतें।
– भुज–भुजगेस की बैसंगिनी भुजंगिनी सी खेदि खेदि खाती दीह दारून दलन के
– अति सौंधे भरी सुखमा सु खरी मुख ऊपर आइ रही अलकैं।

5. घनानंद –

1. छवि कौ सदन, मोदमंडित बदन–चन्द
2. भोर ते सांझ लौ कानन ओर निहारति वाबरी नैक न हारति
3. सोएं न सोयबो, जागे न जाग, अनोखियै लाग सु अँखिन लागी
4. नित द्यौस खरी, उर मांझ अरी, छवि रंग–भरी मुरि चाहनि की
5. अन्तर उदेग–दाह, अँखिन प्रवाह–आँसू
6. नैनन मैं लागै जाय, जागै सु करेजे बीच
7. दिननि के फेर सों, भयो है फेर–फेर ऐसौ
8. कौन की सरन जैये आप त्यों काहू पैये
9. जासौं प्रीति ताहि निठुराई सों निपट नेह
10. मीत सुजान अनीत करौ जिन, हा हा न हूजियै मोहि अमोहि

6. आलम –

1. रूचिर बरन चीरू चन्दन चरचि सुचि,..
2. अँखियाँ भली जू ऐसे अँसुवनि धारै, नातो,................
3. चाहती सिंगार तिन्है सिंगी को सगाई कहा,............................
4. बारैं तें न पलक लगत बिनु साँवरे ते,...................

Incharge
Academic
PDUSU,SIKAR

5. सीत रिपु भीत भई छाती राती ताती तई, ...
6. लता प्रसून डोल बोल कोकिला अलाप केकि,.....................
7. पालन खेलत नन्द ललन छलन बलि, ...
8. दैहों दधि मधुर धरनि धर्‌यो छोरि खैहैं,..................
9. नीके न्हाइ धोइ धूरि पैठो नेक बैठो आनि,...................
10. मोरस सुढ़ोरी लिये संभु ताको मत दिये,.........................

7. पदमाकर –

1. कूलन में, केलिन कछारन में, कुंजन में,...........................
2. औरै भाँति कुंजन में गुंजरत भौंरे–भीर,.......................
3. चंचला चमाकैं चहूँ ओरन तें चाह–भीर,......................
4. आयी हौ खेलन फाग इहाँ वृषभानपुरी तें सखी सँग लीने।....................
5. सीज ब्रज चंद पै चली यों मुखचंद जा को,........................
6. ऐसी न देखी सुनी सजनी धनी बाढ़त जात बियोग की बाधा।..................
7. तीन पर तरनि–तनूजा के तमाल–तरे,...................
8. फहरे निसान दिसानि जाहिर, धवल दल बक पात से। ....
9. सिर कटहिं, सिर कटि धर कटहिं, धर कटि सुहय कटि जात हैं ....
10. किल किलकत चंडी, लहि निज खंडी, उमडि, उमंडी, हरषति है ....

8. सेनापति –

1. राखति न दोपै पोपै पिंगल के लच्छन कौं,...............................
2. बानी सौं सहित सुबरन मुँह रहै जहाँ ....
3. करत कलोल स्रुति दीरघ, अमोल, तोल, ...
4. कालिंदी की धार निरधार है अधर, गन ....
5. सोहै सँग आलि, रही रति हु के उर सालि, ...
6. मालती की माल तेरे तन कौ परस पाइ,........................
7. मानहु प्रबाल ऐसे ओठ लाल लाल, भुज, ...
8. बरन बरन तरू फूले उपवन बन,................................

अंक विभाजन

कुल चार व्याख्याएं (एक कवि से केवल एक व्याख्या) (आन्तरिक विकल्प देय) 4 x 10 = 40 अंक

कुल तीन निबन्धात्मक प्रश्न – एक कवि से संबंधित एक ही प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय)
3 x 15 = 45 अंक

एक प्रश्न निबन्धात्मक – रीतिकालीन काव्य प्रवृत्तियां एवं रीति निरूपण से संबंधित (आन्तरिक विकल्प देय)
1 x 15 = 15 अंक

Incharge
Academic
PDUSU,

बी.ए. वर्ष द्वितीय – हिन्दी साहित्य
द्वितीय प्रश्न पत्र – (नाटक एवं एकांकी)

पूर्णांक : 100 | **न्यूनतम उत्तीर्णांक : 36**

खण्ड – 'अ' नाटक – लहरों के राजहंस (मोहन राकेश)

खण्ड – 'ब'

एकांकी –

1.	रामकुमार वर्मा	– प्रतिशोध
2.	भुवनेश्वर	– ऊसर
3.	उपेन्द्र नाथ अश्क	– तौलिए
4.	विष्णु प्रभाकर	– सड़क
5.	लक्ष्मी नारायण लाल	– ताजमहल के आँसू
6.	धर्मवीर भारती	– नीली झील
7.	सुरेन्द्र वर्मा	– हरी घास पर घंटे भर
8.	जगदीश चंद्र माथुर	– मकड़ी का जाला

खण्ड – 'स'

नाटक एवं एकांकी का उद्भव एवं विकास

अंक विभाजन

कुल चार व्याख्याएं – दो नाटक से, दो एकांकी से (आन्तरिक विकल्प देय) 9 x 4 = 36 अंक

कुल चार निबन्धात्मक प्रश्न 14 x 4 = 56 अंक

खण्ड 'अ' व 'ब' में से " नाटक पर दो प्रश्न, एकांकी पर दो प्रश्न" (आन्तरिक विकल्प देय)

खण्ड 'स' में से एक टिप्पणी (आन्तरिक विकल्प देय) 8 अंक

Incharge
Academic
PDUSU,SIKAR